



CB
11/5/92

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 185] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 12, 1992/फाल्गुन 22, 1913
No. 185] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 12, 1992/PHALGUNA 22, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1992

का.प्रा. 203 (अ) :- गैरकानूनी कार्यकलाप (निवारक) अधिनियम, 1967
(1967 का 37) के खण्ड 5 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते

हुए, केन्द्रीय सरकार यह समझते हुए कि ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा “गैरकानूनी कार्य-
क्लाप (निवारक) अधिकरण” का गठन करती है जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश
न्यायमूर्ति श्री अरुण बी सहारया होंगे ।

[मिसिल सं. 13014/2/92-के (डी ओ.-1)]

के.के. सिन्हा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th March, 1992

S.O. 203(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government being of opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the “Unlawful Activities (Prevention) Tribunal” consisting of Justice Shri Arun B. Saharya, Judge of the Delhi High Court.

[File No. 13014/2/92-K(DO-I)]

K. K. SINHA, Jt. Secy.